

## अभ्यास : प्रश्न तथा उनके उत्तर

1. आपके अनुसार अरहर किसान से किस प्रकार आपके घरों में दाल के रूप में पहुँचता है ? दिये गये विकल्पों में से खाली बॉक्स भरें ।

विकल्प—

- (i) दाल मिल (ii) खुदरा व्यवसायी  
(iii) स्थानीय छोटे व्यवसायी  
(iv) बड़ी मंडी के थोक व्यवसायी

(v) स्थानीय मंडी के थोक व्यवसायी

उत्तर—किसान ⑧ दाल मिल ⑧ स्थानीय छोटे व्यवसायी ⑧  
स्थानीय मंडी के थोक व्यवसायी ⑧ बड़ी मंडी के थोक व्यवसायी  
⑧ खुदरा व्यवसायी ।

2. स्तंभ 'क' को स्तंभ 'ख' से मिलान करें ।

स्तंभ क	स्तंभ ख
(i) शाही लीची	(क) भागलपुर
(ii) दुधिया मालदह	(ख) मुजफ्फरपुर
(iii) मखाना	(ग) दीघा (पटना)
(iv) जर्दालु आम	(घ) दरभंगा

उत्तर—

(i) शाही लीची	⑧	मुजफ्फरपुर
(ii) दुधिया मालदह	⑧	दीघा (पटना)
(iii) मखाना	⑧	दरभंगा
(iv) जर्दालु आम	⑧	भागलपुर

3. कृषि उपजों के न्यूनतम समर्थन मूल्य से आप क्या समझते हैं ? इससे किसानों को क्या फायदा होता है ?

उत्तर—कृषि उपजों के न्यूनतम समर्थन मूल्य वह मूल्य होता है, जो सरकार द्वारा किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलवाने के लिए तय किया जाता है । इसमें सरकार किसानों के फसल के लिए एक न्यूनतम मूल्य निर्धारित करती है । न्यूनतम समर्थन मूल्य का उद्देश्य होता है किसानों की हितों की रक्षा करना ।

इससे किसानों को उनके फसल का उचित मूल्य मिलता है वे फसल उपजाने में जितनी मेहनत करते हैं, उन्हें उसका फल मिलता है । उन्हें घाटा नहीं होता है । प्रत्येक किसान को अपने फसल के लिए सरकारी दर की उम्मीद होती है । किसानों से उनकी फसल सरकारी एजेंसियाँ निर्धारित न्यूनतम मूल्य पर ही फसल खरीदती है । अगर सरकार द्वारा यह मूल्य तय नहीं किया जाता तो

किसानों से उनके फसलों को कम कीमत पर ही खरीद लिया जाता, जिससे किसान को अपनी मेहनत का उचित फल नहीं मिलता। लेकिन बिहार में इस योजना का पूरा लाभ किसानों को नहीं मिल पाता है। जिससे किसानों को उनका हक नहीं मिल पाता है।

4. निम्नलिखित फसलों से बनाये जाने वाले विभिन्न उत्पादों को लिखें। इन उत्पादों को बनाने के लिए क्या किया जाना चाहिए ?

क्रम सं.	फसल	उत्पाद
1.	गेहूँ	
2.	मक्का	
3.	लीची	
4.	गन्ना	
5.	जूट	

उत्तर—	फसल	उत्पाद
(i)	गेहूँ	सूजी, मैदा, आटा
(ii)	मक्का	सत्तू, आटा, दराँ
(iii)	लीची	जूस, जैम, जेली, मधु
(iv)	गन्ना	चीनी, गुड़
(v)	जूट	थैला

गेहूँ से सूजी, मैदा और आटा बनाने के लिए गेहूँ को मिल में भेजा जाता है, मक्का से भी सत्तू, आटा या दराँ बनाने के लिए की आवश्यकता होती है। लीची से जूस, जैम, जेली या मधु बनाने के लिए इसे प्रसंस्करण उद्योग में भेजते हैं। गन्ना से चीनी बनाने के लिए हम गन्ने को चीनी मिल भेजते हैं और गुड़ बनाने के लिए गन्ना की पेड़ाई करती हैं। जूट से मशीनों द्वारा थैला बनाया जाता है।